









# ‘ਪੈਨਿਕ’ ਨਾ ਕਰੋ ਬਿਲਫੂਲ, ਦਿਕਤ ਹੋਣੀ ਨਾ ‘ਤਨਿਕ’

2000 के नोट वापिस लेने की घोषणा के बाद 22 घंटे छापे जा रहे 500 के नोट

-अर्णा-

रुद्रपुर। तमाम अफवाहों एवं आशंकाओं के बीच भारतीय रिजर्व बैंक का मिशन 'कलीन करेंसी' आज से आरंभ हो गया है, जिसके तहत देश के प्रत्येक सरकारी एवं निजी बैंक में 2000 के नोट 30 सितंबर तक बदले जा सकेंगे। यहां हम 'उत्तरांचल दर्पण' के पाठकों को बता दें कि यह कोई नोटबंदी नहीं है। यह आरबीआई द्वारा खराब नोटों को वापस लेने की एक सामान्य प्रक्रिया मात्र है और इसके चलते नागरिकों में कोई पैनिक ना फैले, आरबीआई इसके हर संभव प्रयास कर रहा है। लिहाजा बैंकों के सामने लंबी तर्की लाइन लगने और नोट बदलने की मारामारी मचने की संभावना लगभग ना के बराबर ही है। हालांकि 2000 के नोटों को वापस लेने की घोषणा होने के बाद तमाम टीवी चैनलों एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, खासकर यूट्यूब के अनेक वीडियो में, आरबीआई के इस कदम को इस तरह प्रतिरोध की जा रही थी। भारत के सभी नागरिकों पर पिछली बात हुई नोटबंदी जैसी ही मुसीबतें टूटने वाली हैं। यूट्यूब के कुछ चैनलों द्वारा यह तक रेखांकित करने की कोशिश की गई कि 2000 के नोट बंद होने के बावजूद, अब लोग 500 के नोट जमा करने आरंभ कर देंगे और 500 नोटों की भारी किललत हो जाएगी। यहां पर यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि 2000 के नोटों को चलन से बाहर करने का फैसला आरबीआई ने आनन-फानन में नहीं लिया है बल्कि पिछली नोटबंदी से सबक लेते हुए आरबीआई ने इस बात इसकी तैयारियां बढ़ावादा साल भर पहले से ही आरंभ कर दी थी। इस प्रयोजन के महेनजर देवास मध्य प्रदेश स्थित बैंक नोट प्रेस में एक नई बैंक नोट छापने वाली मशीन स्थापित कर दी गई थी तथा देवास की बैंक नोट प्रेस में पहले की अपेक्षा सबा गुना अधिक नोट छापाई की क्षमता हासिल कर ली गई थी। और नोट छापाई का काम चालू भी कर दिया

दिया गया था। इस नई मशीन से नोट छपाई का काम अत्यंत तेज गति से किया जाना संभव है। नई मशीन के पास ही पुरानी वाली भी लगाई है ताकि मशीन खराब होने की स्थिति में भी छपाई का काम चलता रहे। 2000 के नोट चलन

लिए आरबीआई ने युद्ध स्तर पर 500 के नोटों को छापने का कार्य आरंभ कर दिया है। देवास (मध्य प्रदेश) स्थित बैंक नोट प्रेस की छापाई मशीन रोज़ 22 घण्टे चल रही है और हर दिन 22 मिलियन अर्थात् 2.2 करोड़ 500 के

(बीएनपी) ने शनिवार को एक आदेश जारी कर कर्मचारियत रविवार का अवकाश निरस्त किया। इन्हाँ नहीं, बीएनपी के कर्मचारी से प्रतिदिन 22 घण्टे काम लिया जाता है। बीएनपी के दक्ष कर्मचारी।

व्रेषप का दिया रियों रहा -11 है हैं। घटे नोट नावा की छोटे नकरे की 20 है हैं। बढ़ाई के ही एंगे। चारी रबर रबर ई के दौरान इंक को नोट तक व्यवस्थित पहुंचाने के लिए किया जाता है। उथर र आरबीआई की तैयारियों को और धार देते हुए देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, एसबीआई ने एक अधिसूचना जारी करके कहा है कि कोई भी व्यक्ति, देश भर में एसबीआई की किसी भी ब्रांच में, बिना किसी आईडी या एडेस प्रूफ के 2000 के नोट बदलवा सकता है। उसे बैंक शाखा में कोई स्लिप भरने की जरूरत नहीं होगी। एसबीआई ने अपने अधिसूचना में विभिन्न अफवाहों को पर लगाम लगाते हुए आगे बताया है कि नोट बदलने का कोई भी चार्ज नहीं देना होगा और किसी भी शाखा में 2000 का नोट बदलवाया जा सकता है। एसबीआई ने आगे स्पष्ट किया है कि अगर आरबीआई की कोई गाइडलाइन नहीं आती तो 2000 के नोट 30 सितंबर के बाद भी लीगल टेंडर बने रहेंगे अर्थात् इनकी मौद्रिक कीमत जस की तस ब्रकरार रहेगी



# ਮहावਿਦ्यਾਲਿਆ ਮੇਂ ਮਨਾਯਾ ਇੰਡੀਅਰਮੈਂਟ ਡੇ ਪਖਵਾਡਾ

रुद्रपुर (उत्तर संवाददाता)। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बनस्पति विज्ञान परिषद तथा महाविद्यालय की एनसीसी इकाई ने 78 यूके बटालियन एनसीसी हल्दानी के तत्वाधान में 'इन्वायरमेंट डे' प्रखाड़ा मनाया गया। कार्यक्रम में न सिर्फ एनसीसी बल्कि बीएससी और एमएससी के छात्रों ने प्रतिभाग किया। कैडेट्स और छात्रों ने एचर्ड इन्वायरमेंट डे के उपलक्ष्मे से स्थाप्त ली और स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्रों के मध्य पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉ. भारत पांडे ने किया। इस प्रतियोगिता में बीएससी



द्वितीय सेमेस्टर की प्रिया प्रथम स्थान पर, स्नातकोत्तर की प्रमिला द्वितीय स्थान पर और स्नातक की समीक्षा तृतीय स्थान पर रहे। विजयी प्रतिभागियों को आगामी 5 जनवरी को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में डॉ. भारत पांडे, डॉ. दीपक दुर्गापाल एवं डॉ. राधवेंद्र मिश्र को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम का संचालन कल्पना डॉ. शालभ गुप्ता ने किया।

राज्यपाल ने किया राजभवन नैनीताल सचिवालय के पुनरोद्धार कार्यों का लोकार्पण



The logo consists of the words "गुरुकूल" (Gurukul) in Devanagari script above the word "माँ" (Ma) in red, all contained within a blue circular border.

# **GURU MAA ENTERPRISES**



**0% EMI**  **BAJAJ  
FINSERV**

# Guru Maa Enterprises

हल्द्वानी

• तिकोनिया • चर्च कम्पाउंड • पिली कोठी  
सौ- 9837077682 सौ- 9690256666 सौ- 9997207007

रुद्रपुर  
काशीपुर बाईपास रोड

काशीपुर बाईपास रोड  
लो- ९९२७८८२३३८, ९६६८८६९०००

कार्यपाद

● चीमा चौराहा ● रामनगर रोड  
मो-7455045084 मो-9917161111

यादस्थपत्र

ગુણનાનક ઇંટરપ્રાઇઝ  
સંપત્તિ કાળોલી ગામી સૌ-૯૯૨૭૮૫૦૯૯૯

# उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

## करेंसी की जमाखोरी

दो हजार रुपए के नोट के बदले सोने-चांदी की खरीद पर कमीशनखेड़ी शुरू हो गई। दो हजार रुपए के नोट बंद करने की घोषणा के साथ ही कुछ लोगों में हड्डबड़ी और चिंता नजर आने लगी। इसलिए कि लोगों के मन से अभी पिछली नोटबंदी की स्मृतियाँ मिटी नहीं थीं। तरह-तरह के कथास लगाए जाने लगे। ऐसे वातावरण में अफवाहों का दौर भी चलता ही है, इसलिए नोट बदलवाने में आने वाली परेशानियों को बढ़ा-चढ़ कर पेश किया जाने लगा। दो हजार रुपए के नोट के बदले सोने-चांदी की खरीद पर कमीशनखेड़ी शुरू हो गई। दुकानदारों ने अलग-अलग दरें तय कर दीं। इन स्थितियों से निपटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने स्पष्ट किया है कि लोगों को बिल्कुल हड्डबड़ाने की जरूरत नहीं है। बैंक नियमों के मुताबिक ही नोट बदले जा सकते। अगर कोई पचास हजार रुपए से अधिक अपने खाते में जमा करा रहा है, तभी उससे पहचान संबंधी दस्तावेज मांगे जाएंगे। नोटों की कोई कमी नहीं है, वर्त भी पर्याप्त है। यह स्पष्टीकरण नोट बदलने की प्रक्रिया शुरू होने से एक दिन पहले उन्होंने दिया। जाहिर है, इससे लोगों के मन में बैठी शंकाओं का निराकरण हुआ है और इससे ठगी करने वालों पर लगाम लगेगी। वैसे भी सामान्य लोगों के पास दो हजार के नोट कम ही होंगे, इसलिए कि पिछले काफी समय से मशीनों से दो हजार रुपए के नोट निकल ही नहीं रहे थे, बैंकों से भी कम ही नोट मिल पाते थे। बाजार में फुटकर की समस्या को देखते हुए बहुत सारे लोग दो हजार रुपए का नोट रखने से बचते थे। इसके बावजूद अगर कुछ लोगों ने बचत के उद्देश्य से दो हजार रुपए के नोट जमा कर रखे होंगे, तो वे इतने नहीं होंगे कि उन्हें बदलवाने के लिए कई बार कतार में लगाना पड़े। मुश्किलें उन लोगों के सामने खड़ी हो सकती हैं, जिन्होंने काले धन के रूप में बड़ी मात्रा में नोट जमा कर रखे हैं। हालांकि शक्तिकांत दास का कहना है कि वे आश्वस्त हैं कि दो हजार के सारे नोट रिजर्व बैंक में वापस आ जाएंगे। हालांकि इस बात का उन्होंने कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया कि इतने कम समय में नोट वापस लेने की जरूरत क्यों पड़ गई। शक्तिकांत दास का कहना है कि दो हजार रुपए के नोट इसलिए शुरू किए गए थे कि सात साल पहले की नोटबंदी के समय पैसे की किल्लत को दर किया

जा सके, वह जरूरत अब पूरी हो गई है। मगर यह हकीकत किसी से छिपानी नहीं है कि दो हजार रुपए के नोट आने के साथ ही उनकी जमाखोरी भी कालेधन के रूप में होनी शुरू हो गई थी। यही बजह है कि दो हजार रुपए के ज्यादातर नोट बाजार से नदारद हो गए। इसलिए रिजर्व बैंक ने भी शुरूआती तर्क यही दिया था कि दो हजार रुपए के नोट बंद करने से काले धन पर चोट पहुँचेगी। मगर बदलने के लिए इतना लंबा वक्त मिलने से कालेधन को सफेद करने में भला क्या मुश्किल होगी। पिछली बार जब तत्काल प्रभाव से नोट चलन से बाहर कर दिए गए थे, तब भी काले धन को सफेद करने में कोई मुश्किल नहीं आई थी, तो अब क्या मुश्किल होगी। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने बेशक नोट बदलने में कोई दिक्कत न आने का भरोसा दिलाया है, पर सच्चाई यही है कि सामान्य लोगों और कारोबारियों के लिए यह काम उतना आसान है नहीं क्योंकि बाजार में कई दुकानदारों ने दो हजार का नोट लेना बंद कर दिया है।

**श्रद्धालुओं के हाथ पकड़कर रास्ता पार करा रहे  
एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवान**

एसपी विशाखा ने केदारनाथ यात्रा व्यवस्थाओं में नियुक्त 46 कार्मिकों को किया सम्मानित

रूद्रप्रयाग। नेशनल डिजास्टर रिलीफ फोर्स (एनडीआरएफ) के जवान केदारनाथ यात्रा में पूरे समर्पण के साथ बाबा केदार के भक्तों की सेवाएं कर रहे हैं। गौरीकुंड से केदारनाथ तक कुल 47 जवान बीते एक पखवाड़े से सेवाएं दे रहे हैं। केदारनाथ सहित पैदल मार्ग पर आए दिन हो रही बर्फबारी से पैदल मार्ग भैरव व कुबेर गदेरा हिमखंड जौन में अति संवेदनशील बना है। यहां पर तैनात इंस्पेक्टर अमीर चंद्र कोठियाल के नेतृत्व में एनडीआरएफ के सुरक्षा जवान श्रद्धालुओं के हाथ पकड़कर रास्ता पार करा रहे हैं। कुछ दिन पूर्व पूर्व एक महिला अपने बच्चे को गोद में लेकर केदारनाथ दर्शन को पहुंची थी। भैरव गदेरा हिमखंड जौन में फिसलान के चलते बच्चे के साथ रास्ता पार करना आसान नहीं था। ऐसे में प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। वहीं पुलिस अधीक्षक डिविशन अशोक भदाणे केदारनाथ तैनात पुलिस जवानों का मनोबल बढ़ावा के लिए उनसे निरंतर संवाद कर रहे हैं। साथ ही बीते 20 दिनों में वह स्वभी चार बार पैदल मार्ग से केदारनाथ पहुंच चुकी है। उन्होंने पैदल मार्ग से





कार्य स्थानीय प्रशासन व लोनिवि द्वारा  
कराया जा रहा है, परन्तु यात्रियों की  
सुरक्षा व्यवस्था हेतु तैनात पुलिस बल  
व आपात स्थिति से तुरन्त प्रतिवादन  
करने हेतु नियुक्त एसडीआरएफ व  
एनडी आरएफ द्वारा अपने दायित्वों  
के निर्वहन के साथ मार्ग खोलने में भी  
गैंती, फावड़ा, बेलचा चलाकर मदद

म में तैनात पुलिस जवानों को बारिश व बर्फ से बचाने के लिए पर्याप्त मात्र में रेनकोट भेजे हैं। उन्होंने सोनप्रयाग, गौरीकुंड, जंगलचट्टी, भीमबत्ती, छोला लिनचली, बड़ी लिनचली, छानी केंद्र, रुद्रा प्लाइट, बेस कैप, हेलिपैड और केदारनाथ मन्दिर में तैनात जवानों ने स्वयं की सुरक्षा के साथ यात्रियों की सुरक्षा की अपील की है। इस बार केदारनाथ धाम यात्रा में तैनात पुलिस बल, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ का एक नया ही रूप देखने वाला मिल रहा है। कुबेर गधेरा व भैरव गढ़ेरे के पास आये ग्लेशियर को हटाने व

की जा रही है। यहां पर तैनात पुलिस बल का मानना है कि अत्यधिक ठण्ड के बीच इस तरह से शारीरिक श्रम करने से उनके स्तर से भी कुछ न कुछ योगदान अवश्य होना चाहिए। बाबा के दर पर पहुंच रहे श्रद्धालुओं की डगर आसान हो यही हमारी कामना है। काफी हद तक ग्लेशियर को साफ करते हुए मार्ग चलने योग्य बनाया जा चुका है। ऐसे ही सुन्दर तरीके से अपने कर्तव्य का निर्वहन करने वाले पुलिस के 06, एसडीआरएफ के 24 व एनडीआरएफ के 16 जवानों को पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग द्वारा

# कर्मों के बंधन से मुक्ति

इस दुनिया में जीते हुए हम कई बार दुःखों का सामना करते हैं। ऐसे समय में हमें पिता-परमेश्वर का ख्याल आता है। हमारे अंदर कई प्रकार के विचार उत्पन्न होते हैं जैस कि हम प्रभु से अलग क्यों हो गए और पलक झपकते ही प्रभु हमें वापिस अपने घर क्यों नहीं ले जाते? लोग आश्चर्य करते हैं कि प्रभु इ त न शक्तिशाली हैं लेकिन फिर भी हम यहाँ इस भौतिक संसार में अपने रचयिता से दूर क्यों फंसे हुए हैं? जब सृष्टि की रचना हुई तब हम प्रभु की गोद में बैठे थे और वहाँ शांति और परम आनंद से भरा जीवन जी रहे थे। किंतु अब हम अपने लंबे सफर में इतनी दूर आ गए हैं कि हमारी इच्छाएँ हमें इस दुनिया में खींचकर ले आई हैं। यहाँ पर आकर हम अनगिनत परिस्थितियों में फंस गए हैं, जिनसे हम भाग नहीं सकते। कर्मों के बंधन में हम इतना जकड़ गए हैं कि उनके भुगतान के लिए या हमें बार-बार जन्म-परण के चक्र में बार-बार



आना पड़ रहा है। प्रभु दया महासागर हैं। वे संतों को यहाँ भेजवा हमें वापिस अपने निजघर जाने का रास दिखाते हैं। संत-सत्यरु उन आत्मा की पुकार सुनते हैं जो अपने घर वापिस लौटना चाहती हैं। जब पिता-परमेश्वर हमें संत-सत्यरु की शरण में भेजते तो हमें अपने निजघर लौटने का एसुनहारा मौका मिलता है। असल संत-सत्यरु हमारे उद्धार के लिए आते हैं। वे स्वयं प्रभु में लीन होते हैं तथा हमारी आत्मा को भी प्रभु में लीन बढ़ाते हैं। वे प्रभु की गोद का परमाणु छोड़कर इस संसार में आते हैं अब हमारी आत्मा की हर प्रकार से सहायता रक्षा और मार्गदर्शन करते हैं। हम आत्मा जो युग्म-युग्म से चौरासी के चंद्र में फंसी हुई है, उसको कम्मों के बंधन छुड़ाने का काम ऐसे ही महापुरुष करते हैं। वे हमारे सच्चे मित्र होते हैं जो जीवन के इस भंवर में हमको फंसते हैं नहीं देख सकते। जब एक संत-सत्यरु इस धरती पर आते हैं तो उन्हें भी मान शरीर धारण करना पड़ता है। जिस प्रकार एक बच्चा चलने के लिए कहा उठता है तो वह अवश्य गिरता है लेकिन उसकी माँ आपर से उसे उठाती है अब उसे अपना दुलार देती है। इसी प्रक-

एक संत-सत्युरु भी हमारे हर दुःख में हमारी सहायता करते हैं। हम सब लोग अपने कर्मों के बंधन के कारण इस संसार में आते हैं किंतु संत-महापुरुष कर्मों के बंधन से मुक्त होते हैं। वे प्रभु का धाम छोड़कर हमारी मदद के लिए इस संसार में आते हैं और हमारी आत्मा को जन्म-मरण के चक्र से छुटकारा दिला देते हैं। वे जानते हैं कि प्रभु का धाम दुःख, पीड़ा व मृत्यु से मुक्त है, इसलिए वे चाहते हैं कि हम सब भी प्रभु की मस्ती व सरशारी का अनुभव करें। इसके लिए वे हमारे कर्मों का लेखा-जोखा अपने हाथ में लेते हैं और हमारे पिछले जन्मों के संचित कर्मों का भुगतान कर देते हैं। सिर्फ प्रारब्ध कर्मों को वे छोड़ देते हैं क्योंकि उन पर हमारा जीवन आधारित होता है और जिनका भुगतान हमें अवश्य करना होता है लेकिन उसमें भी वे हमारी मदद करते हैं। वे अपनी दयामेहर से पहाड़ के समान बोझ को एक सुई के समान हल्का कर देते हैं। क्रियमान कर्मों के लिए वे हमें बताते हैं कि हम एक सदाचारी जीवन जियें और ऐसे कार्य करें जिनके द्वारा हम नेह कर्म की अवस्था में पहुँच जाएं। कई संतों को हमारी रक्षा के लिए शहादत देनी पड़ी है और कई संतों को फांसी भी दी गई है लेकिन फिर भी संत-जन हमारे कर्मों का बोझ अपने ऊपर लेकर उसे कम कर देते हैं। उनका उद्देश्य सिर्फ हमें कर्मों के बंधन से मुक्त कराना होता है। यदि हमें अपने कर्मों का स्वयं भुगतान करना पड़े अथवा उन्हें कम करने के लिए कहा जाए, तब शायद हम अनंत जन्मों तक इससे छुटकारा नहीं पा सकेंगे। संत-सत्युरु हमें हिदायत देते हैं कि हम एक सदाचारी जीवन व्यतीत करें तथा साथ ही साथ ध्यान-अभ्यास में नियमित रूप से समय देकर प्रभु की ज्योति और श्रुति का अनुभव करें ताकि हमारे दिन-प्रतिदिन के कर्म भस्म हो जाएं। हमारे सत्युरु यही चाहते हैं कि हम नियमित तौर से सत्संगों में जाएं और वहाँ पात्र बनकर बैठें। हम अपने जीवन में निष्काम सेवा के गुण को धारण करें यही कुछ तथ्य हैं जिनके द्वारा हम इसी जीवन में वापिस अपने निजधाम सच्चखें पहुँच सकते हैं। हम अपने सच्चे साथी सत्युरु पर अपना अटूट विश्वास रखें और सत्युरु की आज्ञा के अनुसार अपना जीवन बनाएं ताकि इसी जन्म में हम कर्मों के बंधन से मुक्त होकर हमेशा-हमेशा के लिए प्रभु के चरणों में लीन हो जायें।

ଶ୍ରୀ ରାଜେନ୍ଦ୍ରାଶ୍ରମ ଜୀ ମହାରାଜ

# खनन कार्य कर रहे मजदूरों के सत्यापन की मांग

गरुड़ (उद संवाददाता)। गरुड़ गोमती नदी में खनन कार्य में लगे मजदूर बिना सत्यापन के खनन कार्य कर रहे हैं। खनन कार्य करने वाले मजदूरों को बिना सत्यापन कार्य करने से रोकने की ग्रामीण मांग करने लगे हैं। नदी किनारे खनन कार्य हेतु आए मजदूरों का ठेकेदार द्वारा रहे हैं खनन कार्य में लगा ए गए मजदूरों के सत्यापन के बाद ही कार्य कराए जाने की मांग की है। गरुड़ गोमती नदी में आजकल खनन के पट्टे आवंटित हैं जिसमें हल्द्वानी, बरेली, किंचाची आदि जगह से मजदूर खनन कार्य लिए आये हैं लेकिन एक हफ्ते अधिक समय के बाद भी किसी ठेकेदार ने अपने मजदूरों के सत्यापन नहीं किये हैं जिससे ग्रामीण डरे हुए हैं। पूर्वक्षेत्र पंचायत सदस्य अधिकता नेगी ने बताया की सौ से अधिक मजदूर खनन कार्य में लगे लेकिन अभी तक सभी मजदूरों द्वारा

सत्यापन नहीं हुआ, ग्रामीण महिलाएं अपने खेतों में घास आदि कार्यों के लिए जाते हैं अगर किसी के साथ कोई घटना हो गई तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी होगी, वही क्षेत्र में कभी भी कोई घटना होने पर यदि बिना सत्यापन वाले मजदूर कोई घटना को अंजाम देंगे तो जिम्मेदारी किसकी होगी, ग्रामीण नवीन सिंह कैलाश सिंह दिनेश नेंगी आशा देवी रजनी देवी ने पुलिस प्रशासन से बाहर से आये मजदूरों का सत्यापन करवाने की बात कही, वही दूसरी तरफ खनन कार्य में लगे मजदूरों के लिये शौचालय की कोई व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीण नाराज हैं। स्वच्छ भारत मिशन को आइना दिखाने का कार्य कर रहे हैं, ग्रामीणों ने जल्द इस समस्या को भी दूर करने की बात कही। थानाध्यक्ष कुंदन सिंह रौतेला ने बताया की सत्यापन का कार्य शुरू कर दिया है जल्द ही सभी मजदूरों का सत्यापन किया जायेगा।



# ईश्वर कृपा से जो भी मिला उसका चार थानों की गठित टीम ने सदुपयोग करें : हरि चैतन्यपुरी

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। श्री विषमता होने पर घर परिवार व समाज में अशांति पैदा हो जाती है, लेकिन भगवान शंकर तो इतनी विविधताओं, विषमताओं यहाँ तक कि एक दूसरे के स्वभाविक शत्रुओं को समेट कर बैठे हैं। इन विविधताओं व विषमताओं के परमात्मा के विभिन्न अवतारों से प्राप्त होने वाले शिक्षाओं, प्रेरणाओं उपदेशों को मात्र अपनी किमियों के छुपाने के लिए ढाल ही न बनाये बल्कि अपने जीवन में उतारकर कल्याणमय मार्ग पर आगे बढ़े। मानव जीवन की सार्थकता मात्र पशु तुल्य अपने तक ही सीमित रहने में नहीं अपितु किसी के काम आने में है। ईश्वर कृपा से प्राप्त धन, बल, पद, सामर्थ्य प्राप्त आदि का भोग या उपयोग ही नहीं बल्कि सदुपयोग करना चाहिए। पाँच कर्म ईन्द्रियों व पाँच ज्ञानेन्द्रियों इन दसों ईन्द्रियों को चाहे सांसारिक कर्तव्यों के पालन में लगाएं लेकिन एक मन को जो कि परमात्मा की ही अमानत है उसे उसके सिमरन भजन में लगाना चाहिए। संग का भी जीवन में सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। संग अच्छा करना चाहिए, भोजन भी सात्किव, संयमित, संतुलित ही ग्रहण करना चाहिए। थोड़ी सी



बाबजूद उनके परिवार में आपसी प्रेम और सद्भाव बरकरार रहता है। उन्होंने कहा कि इतनी समर्थ्य व शक्ति होते हुए भी उसका दुरपयोग नहीं करते अपने मस्तिष्क को ठंडा रखते हैं। भगवान शंकर सिर पर गंगा व चंद्रमा धरण किये हुए हैं जो शीतलता के प्रतीक हैं। शिव राम का नाम जपते हैं राम शिव

## शहीदी पूरब पर गुरुमति समागम आयोजित

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। साहिब श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी पूरब पर आज गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, गोल मार्केट में गुरुमति समागम का आयोजन किया गया। जिसमें ढाढ़ी जत्था, कीर्तनी जत्था, कथावाचक व कविशरोंने सभी संगत से श्री गुरु अर्जुन देव जी महाराज के बताये आदर्शों पर चलने का आवाहन किया। गुरुद्वारा के समक्ष छबील लगाकर मीठे जल का वितरण भी किया गया। गुरुद्वारा परिसर में आज प्रतः से आयोजित गुरुमति समागम में ढाढ़ी जत्था भाई बलकर सिंह जी बाज, पंजाब वाले, भाई हरजीत सिंह जी गुरुद्वारा मीरीपीरी, नवाबगंज वाले, ज्ञानी दर्शन सिंह कथावाचक हजूरी हैं डग ग्रंथी, भाई गुरजीत सिंह जी हजूरी कीर्तनी जत्था व भाई मरदाना संगीत एकड़मी गुरुद्वारा गोल मार्केट द्वारा गुरु की महिमा का



गुणान किया गया। जिसके पश्चात गुरु का अटूट लंग भी बरताया गया। इस मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान जसपाल सिंह भट्टी, सेकेट्री मनजीत सिंह, मीत प्रधान सतनाम सिंह, मीत सेकेट्री पलविन्दर सिंह, कैंशियर ज्ञानी जी, प्रीतम सिंह चावला, जेगेन्द्र सिंह, दलीप सिंह, इन्द्रजीत सिंह, रक्षपाल सिंह हैंपी, सरनजीत सिंह, गुर्मीत सिंह, रणजीत सिंह, तजिन्द्र सिंह लाटू, राम सिंह बेदी, किशनपाल सिंह, स्त्री संसंग सभा की प्रधान प्रभजीत कौर सहित भारी संख्या में संगत मौजूद थी।

### पेज एक का शेष...

हादसे में स्कूल.. पहुंचे और घटना की जानकारी ली। उधर, हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके पर ही ट्रैक्टर ट्रॉली छोड़कर फरार हो गया। गुस्साए ग्रामीणों ने मौके पर जमकर हांगामा करते हुए अवैध खनन पर रोक लगाए जाने की मांग की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उनके गांव में रोजाना अवैध खनन हो रहा है। जिसके चलते ट्रैक्टर ट्रॉली डंपर जैसे बड़े वाहन गांव से होकर गुजरते हैं कई बार शिकायत करने के बाबजूद भी कोई कार्यवाही नहीं होती। कार्यवाई ना होने के कारण ही आज इतना बड़ा हादसा हो गया है। लक्ष्यर कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि शबों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ट्रैक्टर ट्रॉली कल्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है। तहरी मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई की जाएगी।

केदारनाथ धाम पहुंचे.. रुद्रकी जाएंगे केदारनाथ यात्रा ने बीते वर्ष की भाँति इस बार भी रफ्तार पकड़ ली है। कपाट खुलने के बाद से 27 दिनों में ही दर्शनार्थियों की संख्या साढ़े चार लाख पहुंची। कपाट खुलने के बाद शुरूआती 20 दिनों तक बारिश, बर्फबारी के बीच भी बाबा केदार के भक्तों का उत्साह अपने चरम पर रहा। मौसम और भौगोलिक परिवेश की दुश्वारियों के बीच यात्रा नए आयाम स्थापित कर रही है। बीते एक सप्ताह से दर्शनार्थियों की संख्या प्रतिदिन 18 हजार से अधिक हो रही है। इधर, डीएम मयूर दीक्षित ने बताया कि तीर्थ यात्रियों का उचित स्वास्थ्य परीक्षण व उपचार किया जा रहा है।

द्रायल के लिये.. रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुधीर सिंह ने बताया कि दो मंच तैयार होने के बाद दोनों प्लेटफॉर्म पर गाड़ियों की आवाजाही रोक दी जाएगी। प्लेटफॉर्म नंबर एक से बदे भारत ट्रेन को दिल्ली के लिए रवाना किया जाएगा। गाड़ी कब देहरादून पहुंचेगी, ट्रेन का संचालन, समय, टिकट और स्टोपेज को लेकर अंधी अधिसूचना जारी नहीं की गई है। एक-दो दिन में रेलवे की ओर से यह अधिसूचना जारी कर दी जाएगी।

कंपनी का लाखों... का माल गाड़ी संख्या यूके 06.सीए 7463 में लोड कर उत्तम कुमार 20 मई को सुबह निकला था। जब पैक्स्टोन कम्पनी के लिये भेजा गया उक माल उत्तम कुमार द्वारा नहीं पहुंचाया गया तो उत्तम कुमार के मोबाइल पर फोन कर सम्पर्क करना चाहा तो उसका मोबाइल स्विच आफ बताने लगा। उत्तम कुमार व उक गाड़ी जिसमें कम्पनी से माल लोडकर लेकर गया था दोनों की काफी खोजबीन की तथा उत्तम कुमार के घर एवं जाने वालों से सम्पर्क किया किन्तु उत्तम कुमार एवं उक गाड़ी का कहीं पता नहीं चल पाया है। राकेश का कहाना है उसे आशका है कि ट्रक ईश्वर कम्पनी से उक माल भरकर गवन करने की बदनीयती से लेकर चला गया है। पुलिस ने तहरी के आधार पर आरोपी ट्रक

का नाम जपते हैं कितनी महानता लेकिन फिर भी निरभिमानता। दूसरों को समान देना यह सब भी तो सीखो, तभी तो बनेंगे शिव के सच्चे भक्त। उन्होंने कहा कि राम का भक्त यदि माँ बाप का निरादर करें, उनकी आज्ञापालन न करें, संत, गुरु व ब्राह्मण का निरादर करें। भाई भाई से लड़े, कर्तव्य व मर्यादा का पालन न करें मात्र अधिकार के लिए ही लड़ता रहे, अर्थम् का साथ दे, लोगों से घृणा करें, अभिमान में ही अकड़ा फिरे तो कैसा राम भक्त है? विचार करें। अपने दिव्य प्रवचनों में उहोंने कहा कि संत रूपी बालों द्वारा जो सत्संग रूपी वर्षा होती है उसमें अपने मन की कलुषता व विकारों को धोकर मन को पावन बनाना है। महाराज जी के दिव्य व ओजस्वी प्रवचनों से सारा वातावरण भक्तिमय हो उठा। तथा सभी मंत्र मुग्ध हो गये व "हरि बोल" की धून में झूम उठे। आज हल्द्वानी में ही अनेक स्थानों पर भक्तों ने श्री महाराज जी का भव्य स्वागत किया। सुन्दर काण्ड पाठ का भी आयोजन किया गया व श्री महाराज जी का अग्नि म पावन जाने पर चालानी कार्यवाई की गई।

## कबीर जयंती पर चार गरीब कन्याओं का होगा विवाह

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। आगामी 4 जून कबीर जयंती की तैयारियों को लेकर एक बैठक कोतवाली के सामने संतकबारी द्वारा के पास अरसरेजित की गई। जिसमें रम्पुरा दुर्गा मंदिर कमेटी के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक हिम्मत राम कोली ने बताया कि 4 जून को कबीर दास जी की जयंती के उपलक्ष में कमेटी ने तय किया है कि रम्पुरा गरीब परिवार की 4 पुत्रियों का विवाह समारोह आयोजित किया जायेगा। जिसमें पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कार्यक्रम की रूपरेखा

तैयार की एवं कहा कि इस बार संतकबारी दास जी की जयंती बहुत ही धूपधाम से मनाई जाएगी। इस दौरान नव्वु लाल कोली, सियाराम कोली, शैलेंद्र कोली, पृथ्वीराज कोली, कालूराम कोली, लाला चंद्रपाल कोली, आशु त्रिवेदी, अशोक कुमार, सूरजपाल कोली, जागन लाल कोली, अमर कोली, टीटू कोली, आकाश कोली, राजपाल कोली, अजय कोली, शंकर कोली, राजू कोली, हरिराम कोली, दीपक सागर, ओम प्रकाश कोली, हरिदत कोली आदि लोग उपस्थित थे।

**ट्रांजिट कैंप खेल मैदान में मेला न लगाने को सौंपा ज्ञापन**

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। लाल बहादुर शास्त्री यांग कलब समिति ने आज पार्श्व मोर्निंग के नेतृत्व में एस डी एम से मुलाकात कर उनसे ट्रांजिट कैंप के खेल मैदान में कोई भी मेला लगाने की अनुमति न देने का आग्रह करते हुए ज्ञापन सौंपा। उनका कहना था कि क्षेत्र में यही एक मैदान है जहां बच्चे तथा युवा रोजाना सुबह शाम

खेलते हैं। वहीं वृद्धजन ठहलने के लिए आते हैं। उन्होंने कहा कि सेना में भर्ती की तैयारी के लिए अध्यार्थी यहाँ अध्यास करते हैं। कुछ लोग इस मैदान पर मेला लगाने की तैयारी कर रहे हैं जिसे जनहित में नहीं कहा जा सकता है। क्योंकि इससे क्षेत्रीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसलिए मेला लगाने की अनुमति न सी जाए। ज्ञापन देने वालों में राहुल सिंह, सत्यम सिंह, राजेश, संजीव विश्वास, विक्रम, शिव सिंह, सागर सिंह, आशीष सरकार, शंकर विश्वास व कोमल सिंह आदि शामिल थे।

चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगदी समेत दो... शशी कला पल्ली चिरन्जीवी पापडे निवासी दूधिया नगर कैनल कालौनी 19 मई को रोज तो तरह अपने कार्य पर सुबह 10 बजे चली गई थी। दोपहर



**Live Healthy... Live Nature...  
Live in Kashi Garden**

**UKREPO5230000497**

**125 YARD  
DUPLEX VILLA  
₹ 46 L**



# **काशी गार्डन**

**आवासीय प्लॉट एवं विला**



**साईट ऑफिस - शिमला पिस्तौर, डीपीएस स्कूल के पास, रुद्रपुर,**

**86504-18000**